झारखण्ड शैक्षिक अनुसन्धान एवं प्रशिक्षण परिषद्, राँची
Jharkhand Council of Educational Research and Training, Ranchi
D.I.E.T. Campus, Ratu, Ranchi – 835222, e-mail: jcert.ran@gmail.com, website:jcert.jharkhand.gov.in

पत्रांक : जे.सी.ई.आर.टी/वि.04-135/2022/ 1291 **राँची, दिनांक :** 09-09-2025

प्रेषक,

शशि रंजन, भा.प्र.से.

निदेशक

सेवा में,

सभी जिला शिक्षा पदाधिकारी/जिला शिक्षा अधीक्षक,

झारखण्ड।

विषय : कार्यरत् उत्कृष्ट शिक्षकों की सूची उपलब्ध कराने के संबंध में।

महाशय,

उपर्युक्त विषय के संबंध में कहना है कि राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार'25 हेतु प्राप्त आवेदनों की संख्या कार्यरत बल के अनुरूप नहीं पाया गया। विगत वर्ष यह संख्या मात्र 55 थी जबकि इस वर्ष 101 शिक्षकों के द्वारा पोर्टल के माध्यम से आवेदन प्रस्तुत किया गया जिसमें अधिकांश शिक्षक प्रावधान के अनुरूप आवेदन समर्पित नहीं करने के कारण उनके आवेदनों पर विचार नहीं किया जा सका।

उपरोक्त परिप्रेक्ष्य में यह निर्णय लिया गया है कि राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार'26 के लिए राज्य स्तर पर कम-से-कम 200 उत्कृष्ट शिक्षकों का चयन कर उन्हें शिक्षक पुरस्कार के प्रावधान के अनुरूप शैक्षिक रूप से सशक्त किया जाए। उत्कृष्ट शिक्षकों के जिला स्तर पर चयन हेतु मापदण्ड की विवरणी सहज अवलोकनार्थ संलग्न है।

अतः निदेश दिया जाता है कि दिनांक 08.10.2025 तक मापदण्ड के अनुरूप उत्कृष्ट शिक्षकों का चयन कर प्रस्ताव इस कार्यालय को उपलब्ध कराया जाए।

अनुलग्नक : यथोक्त।

विश्वासभाजन

09/09/25

(शशि रंजन)

निदेशक

Scanned with OKEN Scanner

पुरस्कारों के लिए पात्रता की शर्तें

स्कूल शिक्षक और निम्नलिखित श्रेणियों के तहत मान्यता प्राप्त प्राथमिक/मिडिल/उच्च/उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत स्कूलों के प्रमुख:

(क) राज्य सरकार द्वारा संचालित स्कूल, राज्य सरकार द्वारा सहायता प्राप्त स्कूल

(ख) जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस)।

(i) सामान्यत सेवानिवृत्त शिक्षक पुरस्कार के लिए पात्र नहीं होते हैं, लेकिन वे शिक्षक जिन्होंने कैलेंडर वर्ष के एक भाग (कम से कम चार महीने के लिए) की सेवा की है, यदि वे अन्य सभी शर्तों को पूरा करते हैं।

(ii) शैक्षिक प्रशासक, शिक्षा निरीक्षक और प्रशिक्षण संस्थानों के कर्मचारी इन पुरस्कारों के पात्र नहीं हैं।

(iii) शिक्षक/प्रधानाध्यापक को ट्यूशन में शामिल नहीं होना चाहिए।

(iv) केवल नियमित शिक्षक और न्यूनतम दस वर्ष की सेवा वाले स्कूलों के शिक्षक ही पात्र हैं।

(v) संविदा शिक्षक और शिक्षामित्र पात्र नहीं हैं।

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र/संगठन स्तर तक राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कारों के लिए मूल्यांकन मैट्रिक्स

श्रेणी ए: वस्तुनिष्ठ मानदंड

क्रम	विवरण	अंक
1	पिछले 5 वर्षों में प्रकाशन (आई एस एस एन के साथ अंतरराष्ट्रीय/राष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोध पत्र/लेख, पुस्तकें आदि)	2
2	वार्षिक प्रदर्शन मूल्यांकन रिपोर्ट या पिछले 3 वर्षों के अन्य प्रदर्शन मूल्यांकन	2
3	क्या शिक्षक बिना किसी शिकायत के नियमित रूप से स्कूल जा रहा है?	1
4	क्या शिक्षक ने किसी सेवाकालीन प्रशिक्षण में भाग लिया है जिसके लिए उसे प्रतिनियुक्त किया गया है?	1
5	नामांकन बढ़ाने और ड्रॉपआउट को कम करने के लिए शिक्षक द्वारा किया गया कार्य।	1
6	चाहे शिक्षक स्वयं या किसी अन्य एमओओसीएस प्लेटफॉर्म के तहत किसी भी पाठ्यक्रम के लिए नामांकित हो। शैक्षिक सुधार के साथ-साथ अपने कौशल को उन्नत करने के लिए शिक्षक द्वारा व्यक्तिगत रूप से किए गए कोई अन्य प्रयास	1
7	जे सी ई आर टी, बोर्ड या एन सी ई आर टी के लिए ई-सामग्री, पाठ्यपुस्तकों, शिक्षक पुस्तिकाओं का विकास	2

श्रेणी बी: मानदंडों के खिलाफ प्रदर्शन

क्रम	कसौटी	अंक
1. प्रौद्योगिकी का उपयोग, नवीन	A. ICT का उपयोग कक्षा सीखने को समृद्ध करने के लिए लागत प्रभावी तकनीकी संसाधनों का नवाचार और चैनलिंग, NEP के तहत कल्पना के अनुसार ICT का उपयोग करके सामग्री बनाना, आदि	30

Scanned with OKEN Scanner

शिक्षाशास्त्र और आनंदमय शिक्षा	B. हर्षित सीखने की तकनीक, रचनात्मक तरीके, आदि जैसे कहानी सुनाना, कला, खेल, खेल, उदाहरण आदि, छात्रों पर उनके शिक्षण के अधिक प्रभाव के लिए शिक्षक द्वारा किए गए आदि। सीखने के लिए अनुकूल वातावरण बनाने के लिए कक्षा में शिक्षण प्रथाओं में सुधार की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी, छात्रों के लिए संवर्धन गतिविधियों का उपयोग करना, विषय को वास्तविक जीवन की स्थिति से संबंधित करना, खुली चर्चाओं को प्रोत्साहित करना आदि	
2. सीखने की सामग्री और सलाह	क. शिक्षण अधिगम सामग्री, कम लागत वाली शिक्षण सहायक सामग्री आदि का विकास और उपयोग ख. सफल शिक्षक सहयोगात्मक प्रयासों में भाग लेते हुए प्रसार और साझा करते हैं। ग. क्षमता निर्माण और अन्य शिक्षकों के लिए संरक्षक के रूप में कार्य करना. घ. छात्रों के समग्र विकास के लिए कक्षा की दीवारों से परे परामर्श और पोषण का उपक्रम करनाई। अतिरिक्त और सह-पाठयक्रम गतिविधियों का संगठन	30
3. प्रशासन और समुदाय की भागीदारी	A. नामांकन बढ़ाने, उपस्थिति में सुधार, स्कूल प्रबंधन प्रणाली, कार्यक्रम की निगरानी आदि के लिए अभिनव उपायों को अपनाकर स्कूल प्रशासन को मजबूत करना B. समुदाय में हितधारकों को जुटाना और उन्हें विभिन्न स्कूल विकास गतिविधियों जैसे स्कूल प्रबंधन समिति, सामाजिक लेखा परीक्षा और माता-पिता, पूर्व छात्रों के माध्यम से संसाधन जुटाना जैसे कि भौतिक बुनियादी ढांचे, कंप्यूटर, पीएम पोषण, C. बच्चों के बीच सामाजिक जागरूकता फैलाने के लिए शिक्षक द्वारा किया गया कार्य, विशेष रूप से सामाजिक रूप से संवेदनशील मुद्दों जैसे पोषण, शौचालय और मासिक धर्म स्वच्छता, बाल विवाह, वंचित बच्चों के उत्थान आदि में	30

पुरस्कारों की श्रेणी के लिए स्वतंत्र जूरी और मानदंड द्वारा गुणात्मक मूल्यांकन उम्मीदवारों का मूल्यांकन उनके आवेदन पत्र और निम्नलिखित पहलुओं से युक्त एक प्रस्तुति के आधार पर किया जाएगा, जो प्रकृति में सांकेतिक हैं, संपूर्ण नहीं हैं

(i) नवाचारी सोच का प्रदर्शन।

(ii) शिक्षक के डिजाइन और विधियों के कार्यान्वयन ने नवीनता और लीक से हटकर सोच दिखाई।

(iii) कार्यप्रणाली में नवीनता ने स्कूल/कक्षा/छात्रों/समुदाय में महसूस की गई आवश्यकता/मुद्दे का समाधान किया।

(iv) नवाचार के अलावा, शिक्षाशास्त्र का डिजाइन और वितरण स्थिरता, गुणवत्ता, समावेशिता और प्रभाव पर परिलक्षित होता है।

(v) स्कूल शिक्षण समुदाय में सहयोग और संचार को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

(vi) सामुदायिक भावना का प्रदर्शन और विद्यार्थियों और उनके माता-पिता के साथ परस्पर बातचीत में दूसरों के लिए अतिरिक्त प्रयास करना।

(vii) शिक्षक छात्र और अभिभावक समुदाय के आकांक्षात्मक लक्ष्यों के साथ स्कूल/राष्ट्र के दृष्टिकोण और प्रभावी ढंग से संरेखित करने में सक्षम रहा है।

(viii) परिवर्तन के लिए एक स्पष्ट विचार और दृष्टि का प्रदर्शन।

(ix) परिवर्तन प्राप्त करने के लिए कार्यों को डिजाइन करना और कार्यान्वित करना।

(x) अपनाए गए हस्तक्षेपों ने वांछित परिवर्तन और उस परिवर्तन को करने के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया का स्पष्ट दृश्य दिखाया।

(xi) शिक्षक सफलतापूर्वक मांगे गए परिवर्तन को प्राप्त करने में सक्षम था और इसने छात्रों और समुदाय में एक स्पष्ट अंतर बनाया।

(xii) हस्तक्षेपों के डिजाइन और सुपुर्दगी से यह सुनिश्चित हुआ कि ये परिवर्तन दीर्घकालिक और सतत प्रकृति के थे।

(xiii) शिक्षक ने पूरी पहल के दौरान सहमत सामुदायिक मूल्यों का प्रदर्शन किया।

Scanned with OKEN Scanner